

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स रेटिंग

प्रीलमिस के लिये:

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स रेटिंग

मेन्स के लिये:

क्रेडिट रेटिंग से संबंधित मुद्दे

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (Standard and Poors- S&P) ने भारत की संपर्मुख रेटिंग (Sovereign Rating) को 'स्थिर' दृष्टिकोण के साथ BBB- पर कायम रखा।

प्रमुख बाब्दि:

Something to Cheer

S&P View

- Big picture for the medium run remains promising with about 7% annual growth
- Concerns over weak demand indicated by sharp decline in core inflation
- Stress in realty sector and financial sector dragging growth down

Moody's Call

- Lowered India's outlook to 'negative' from 'stable' last month
- Cited a prolonged economic slump, stress in NBFC sector and weak job creation for its action

Reiteration comes days after India's Q2 GDP growth fell to 6-year low of 4.5%

S&P has stated that India's economy continues to achieve impressive long-term growth rates despite a recent deceleration

Atanu Chakraborty, Economic affairs secretary

- स्टैंडर्ड एंड पूअर्स एजेंसी द्वारा जारी रपोर्ट के अनुसार, अरथव्यवस्था में गरिवट के बावजूद भारत ने दीर्घावधि वृद्धिदर (Longterm Growth Rate) को बनाए रखा है।
- इस एजेंसी के अनुमान के अनुसार, भारतीय अरथव्यवस्था अगले दो वर्षों में अपने समकक्ष अरथव्यवस्थाओं की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी।
- हाल ही में एक अन्य वैश्वकि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मुडीज ने भारत के रेटिंग परदृश्य को 'नकारात्मक' कर दिया था।
- BBB रेटिंग कसी इकाई की अपनी वित्तीय प्रतिविद्धताओं को पूरा करने की प्रयाप्त क्षमता को प्रदर्शित करती है।
- हालाँकि प्रतिकूल आरथकि परस्थितियों में उसकी वित्तीय प्रतिविद्धताओं को पूरा करने की क्षमता कमज़ोर पड़ सकती है।

स्रोत- बज़िनेस स्टैण्डर्ड

